



Kunal



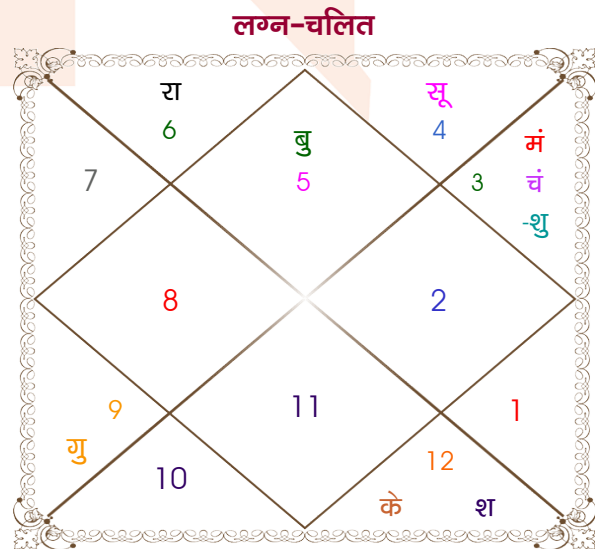
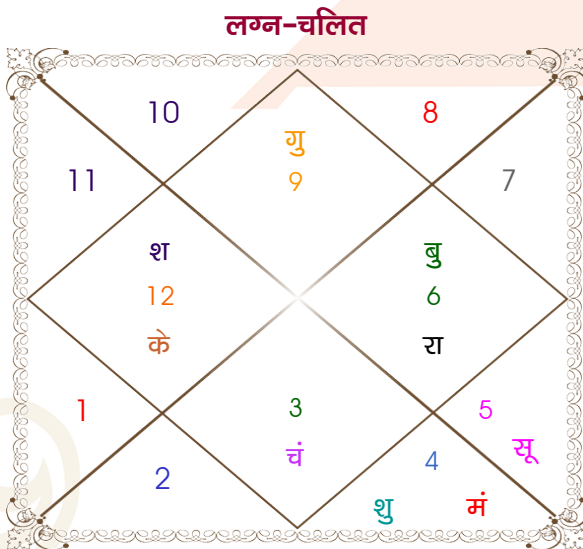
Kajal Manchanda

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120253606

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 06/09/1996 : _____ जन्म तिथि _____ 11/08/1996
 शुक्रवार : _____ दिन _____ रविवार _____
 घंटे 14:07:00 : _____ जन्म समय _____ 08:15:00 घंटे
 घटी 20:13:36 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 06:06:23 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Palwal : _____ स्थान _____ Gurgaon
 28:09:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 28:27:00 उत्तर
 77:20:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:01:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:20:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:21:56 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:01:33 : _____ सूर्योदय _____ 05:49:16
 18:35:51 : _____ सूर्यास्त _____ 19:04:23
 23:48:42 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:48:39

विंशोत्तरी राहु 16वर्ष 6मा 9दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 15वर्ष 11मा 27दि शनि
17/03/2013		05:10:16	धनु	लग्न	सिंह	25:42:38	गुरु 15वर्ष 11मा 27दि
17/03/2029		20:12:51	सिंह	सूर्य	कर्क	24:54:11	शनि
		07:45:30	मिथु	चंद्र	मिथु	20:00:27	08/08/2012
		04:00:04	कर्क	मंगल	मिथु	17:04:41	08/08/2031
गुरु	06/05/2015	09:26:55	कन्या व	बुध	सिंह	20:08:31	शनि
शनि	16/11/2017	14:01:13	धनु	गुरु व	धनु	14:51:57	बुध
बुध	22/02/2020	05:16:51	कर्क	शुक्र	मिथु	09:30:39	केतु
केतु	28/01/2021	11:41:27	मीन व	शनि व	मीन	13:08:26	शुक्र
शुक्र	29/09/2023	14:28:40	कन्या व	राहु व	कन्या	15:31:16	सूर्य
सूर्य	17/07/2024	14:28:40	मीन व	केतु व	मीन	15:31:16	चन्द्र
चन्द्र	16/11/2025	07:16:56	मक व	हर्ष व	मक	08:08:05	मंगल
मंगल	23/10/2026	01:24:27	मक व	नेप व	मक	01:56:33	राहु
राहु	17/03/2029	06:43:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:31:23	गुरु
							08/08/2031



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ज्ञनदंस का नक्षत्र आर्द्रा है।

ज्ञनदंस का वर्ग मार्जार है तथा ज्ञरंस डंदर्बीदक का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनदंस और ज्ञरंस डंदर्बीदक का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ञनदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञरंस डंदर्बीदक मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।

शनि यदि एक की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ज्ञरंस डंदर्बीदक कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक

दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

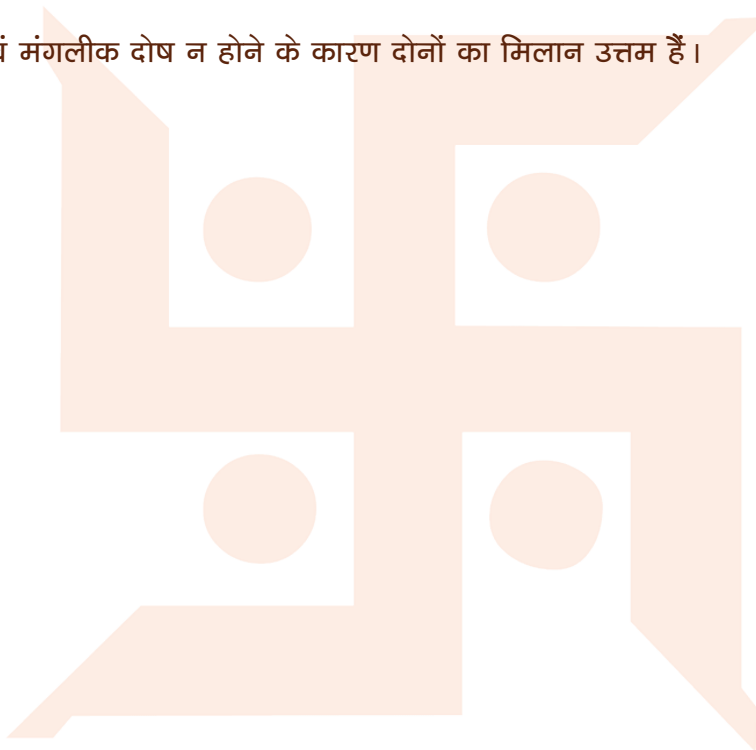
वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल झरंस डंदबीदकं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

झनदंस तथा झरंस डंदबीदकं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

